समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

सोने की कीमतों ने तोड़ा नया रिकॉर्ड: बढ़ती मांग से ज्वेलर्स ने दी चेतावनी, जल्द करें बुकिंग

Publisher

Published on 08 Oct 2025

सोने की कीमतें इस समय लगातार नए रिकॉर्ड बनाती जा रही हैं और निवेशकों एवं आम लोगों के लिए यह चिंता का विषय भी बन गई है। भारतीय ज्वेलर्स और विशेषज्ञ लगातार यह चेतावनी दे रहे हैं कि सोने की मांग में इस तरह की तेजी अगर जारी रही, तो इसके परिणामस्वरूप सप्लाई में कमी आ सकती है। इस वजह से कई लोग पहले ही सोने की बुकिंग करा रहे हैं ताकि उन्हें लंबा इंतजार न करना पड़े।

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। वैश्विक बाजार में मांग बढ़ने, डॉलर के भाव में उतार-चढ़ाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इस समय सोने का भाव अपने **रिकॉर्ड हाई लेवल** पर है और विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह रुझान जारी रहा, तो निवेशकों और आभूषण खरीदारों को जल्द कार्रवाई करनी होगी।

भारतीय ज्वेलर्स का कहना है कि मांग में तेजी और सप्लाई में सीमितता का मतलब है कि खरीदारों को सोना तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाएगा। यदि इस समय खरीदारों ने इंतजार किया, तो उन्हें सोने के लिए लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ सकता है। इसके अलावा, उच्च कीमतों के कारण कई ज्वेलरी स्टोर अपने स्टॉक को सीमित कर सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में तेजी के पीछे कई कारण हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग, निवेशकों का सुरक्षित संपत्ति की ओर रुझान और घरेलू बाजार में शादी और त्योहारी सीजन के चलते खरीदारों की बढ़ती संख्या प्रमुख हैं। इन सभी कारकों के परिणामस्वरूप सोना एक बार फिर निवेशकों और आम लोगों के लिए आकर्षक विकल्प बन गया है।

ज्वेलर्स ने यह भी कहा है कि सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच कई खरीदार अपनी शादी, त्यौहार या निवेश के लिए पहले ही बुकिंग करवा रहे हैं। खासतौर पर शादी के सीजन और पर्वों के दौरान सोने की मांग और अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में अगर सप्लाई

में कमी आती है, तो खरीदारों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सोना समय पर नहीं मिल पाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने का यह रुझान निवेश के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। आर्थिक अनिश्चितताओं और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण निवेशक सुरक्षित संपत्ति की ओर बढ़ रहे हैं। सोना हमेशा से एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना गया है और वर्तमान समय में यह धारणा और मजबूत हो गई है।

सोने की बढ़ती कीमतों और मांग को देखते हुए ज्वेलर्स ने आम लोगों से अपील की है कि यदि वे सोना खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो इसे जल्द पूरा कर लें। उन्होंने चेताया कि अगर मांग लगातार बनी रही और सप्लाई सीमित हुई, तो खरीदारों को अपनी आवश्यकता के अनुसार सोना उपलब्ध कराने में कठिनाई हो सकती है।

इसके अलावा, ज्वेलर्स ने यह भी बताया कि सोने की कीमतें कभी-कभी वैश्विक बाजार की स्थिति और मुद्रा विनिमय दरों के हिसाब से बदल सकती हैं। इसलिए, खरीदारों को सावधानी और योजना के साथ सोना खरीदना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति निवेश के लिए सोना खरीदना चाहता है, तो उसे बाजार की वर्तमान स्थिति, कीमतों का रुझान और आने वाले समय की संभावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए।

सोने की मांग में वृद्धि का असर केवल ज्वेलर्स और निवेशकों पर नहीं पड़ रहा है। बाजार के अन्य हिस्से, जैसे कि बैंक और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, भी सोने की बिक्री में तेजी देख रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सोने की खरीदारी में वृद्धि ने यह साबित कर दिया है कि लोग पारंपरिक स्टोर के अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी सोना खरीद रहे हैं।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सोने की कीमतें आने वाले महीनों में और बढ़ सकती हैं। यदि वैश्विक आर्थिक स्थिति अनिश्चित बनी रहती है, तो निवेशकों का रुझान सोने की ओर और अधिक बढ़ेगा। वहीं घरेलू मांग, त्योहारी सीजन और शादी के मौसम की वजह से सोने की बिक्री में और इजाफा हो सकता है।

अंततः, सोने की बढ़ती कीमतों और लगातार मांग को देखते हुए यह स्पष्ट है कि खरीदारों को समय रहते अपने निवेश या खरीदारी के फैसले लेने चाहिए। ज्वेलर्स की चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर खरीदार समय पर निर्णय नहीं लेते, तो उन्हें सोना खरीदने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

इसलिए, जो लोग सोने की खरीदारी करने का विचार कर रहे हैं, उन्हें बाजार की स्थिति और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर जल्द से जल्द निर्णय लेने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में सोना न केवल निवेश के लिए बल्कि आभूषण की खरीदारी के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण और मांग में बना हुआ है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.